

referred to, the State Governments have also to come forward to allocate more funds for the power generation in their respective States.

**SHRI K. LAKKAPPA:** They have come up... (Interruptions) in Karnataka in which you are...

**MR. SPEAKER:** Let him answer the question.

**SHRI P. RAMACHANDRAN:** That is why, I explained that the demand for power is growing and we want to keep pace with the demand. Even in 1978-79, we want to add to the existing capacity nearly 3000 MW in the coming year and this year we are trying to add about 2000 MW. And totally in 1978-79, what is slipping in this year will be added; it will be nearly 4000 MW which will be added next year. That is why, every year, the capacity will be added according to the demand that is there in the country. So, we are taking all steps to see that the demand is met in the shortest time possible.

**श्री सुबराज :** अद्यक्ष महादय, इस देश की इस्टाब्लिश केपेसिटी 21590.7 मेघावाट की है और हम जेनरेट करते हैं 7483 मेघावाट। इसके लिए हमने बाहर के देशों से मशीनरी आदि मंगा कर अपने पावर स्टेशन में लगाया है। बरीनी आदि जो थर्मल पावर स्टेशन है और दूसरे पावर स्टेशन है जो बीमारी है जिनकी बीमारी चलते देश में पावर का क्राइसिस है, इनको ठीक करने के बारे में माननीय मंत्री जो कोन सी व्यवस्था करेंगे ?

**SHRI P. RAMACHANDRAN:** The machines which are installed in various places, whether they are imported or indigenously manufactured, the Government has taken steps to see that these machines which have failed are rectified in the quickest time possible. We have sent to various places multi-disciplinary teams to see those machines and identify the de-

facts and repair them on time. Whatever efforts we are making will bear fruits in the coming few months.

### आरा मोहनिया सड़क का निर्माण

\* 415. श्री चन्द्रदेव प्रसाद वर्मा : क्या नौबहन और परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या आरा मोहनिया सड़क जो राष्ट्रीय राजमार्ग 30 का एक भाग है, का निर्माण कार्य कर्ट वर्षों में रूका पड़ा है; और

(ख) यदि हा, तो उसके क्या कारण हैं ?

नौबहन और परिवहन मंत्रालय में प्रभारी राज्य मंत्री (श्री बाबू राम) : (क) और (ख) : मौजूदा तब आरा घटिया आरा-पिरो-विक्रम गंज—भामागम मार्ग के स्थान पर राष्ट्रीय राजमार्ग सं० 30 पर आरा और मोहनिया के बीच 115 कि० मी० लम्बे सीधे योजक मार्ग का निर्माण करने की परियोजना 6.54 कराट रुपये की अनुमानित लागत पर स्वीकृत हो गई है। भूमि प्राप्ति में देरी, दुर्गमता, पत्थर की खदानों की दूरी ठेकेदारों के अभाव इत्यादि के कारण दिसम्बर, 1976 तक विभिन्न भागों में कार्य की प्रगति धीमी थी। दिसम्बर, 1976 में प्रगति बढ़ने लगी है। लगभग पांच गुला और कुछ पुलियों को स्वीकृत करना शेष है और बिहार सरकार ने कहा जा रहा है कि वे इस के लिए अनुमान शीघ्र भेजें :

श्री चन्द्रदेव प्रसाद वर्मा : अध्यक्ष महादय, मैं एम सड़क को देख कर आया हूँ। वहाँ कोई भी वाहन शुरू नहीं हुआ है। वह सड़क ऐसे ही पड़ी हुई है। पहले भी ऐसे ही पड़ी हुई थी। मैं सरकार से पूछना चाहता हूँ कि क्या उस पर तुरन्त काम शुरू किया जाएगा ?

श्री चांद राम : यह सड़क 1971 में मंजूर हुई थी। इस पर साढ़े तीन करोड़ रुपया खर्च हो चुका है और इसे बिहार सरकार बना रही है। भारत सरकार ने तो बिहार सरकार को रुपया दे दिया है और हिदायत भी दे दी है कि इस सड़क का निर्माण जल्दी पूरा किया जाए। मैंने भी बिहार सरकार के पी० डब्ल्यू० डी० के मिनिस्टर को चिट्ठी लिख दी है और हमारे लीफ इंजीनियर ने भी वहां के चीफ इंजीनियर को चिट्ठी लिख दी है कि इस सड़क का निर्माण यथाशीघ्र पूरा होना चाहिए। माननीय सदस्य चूंकि बिहार के हैं, वे अपनी सरकार से कह कर इस कार्य को तेज करा सकते हैं। जहां तक भारत सरकार का सम्बन्ध है, वह तो रुपया ही दे सकती है।

श्री चन्द्रबेध प्रसाद वर्मा। राष्ट्रीय मार्ग तीस पर दानापुर से बेहटा तक एक तरफ रास्ता है, सिंगल रोड है। क्या सरकार उसको डबल रोड बनायेगी? आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं, बसों, गाड़ियां उलट रही हैं। क्या सरकार शीघ्र ही इसको डबल सड़क बनाएगी?

श्री चांद राम : बिहार गवर्नमेंट ने हमें इत्तिला दी है कि आरा-मोहाना प्रोजेक्ट 115 किलोमीटर लम्बी है। मुझे मालूम नहीं दानापुर इस में पड़ता है। लेकिन दिसम्बर, 1979 तक हम इस काम को पूरा कर देंगे यह उन्होंने कहा है।

श्री हुकम देव नारायण यादव : उत्तर दिया गया है कि बिहार सरकार से कहा जा रहा है कि काम तेज करें। केन्द्र से बिहार सरकार को सहायता दी जाती है इस सड़क के निर्माण के लिए। बिहार को जितनी केन्द्रीय सहायता मिलनी चाहिए उतनी नहीं मिलती है, उतनी केन्द्र सरकार नहीं देती है।

MR. SPEAKER: That is a larger question. It has no relevance here.

श्री हुकम देव नारायण यादव : इन्होंने कहा है कि बिहार सरकार को काम में तेजी लाने के लिए कहा गया है। मैं जानना चाहता हूं कि बिना पैसे के काम में तेजी कैसे आएगी? क्या कपास रगड़ने से काम तेज होगा या पैसे से होगा? पैसा समय पर मिले तभी तो काम में तेजी आ सकती है। बिहार में केवल यही एक सड़क नहीं जो निर्माणाधीन है और भी बन रही हैं। अन्य सड़कों के लिए भी केन्द्र पैसा देता नहीं है और कहती है कि तेजी लाए। बिहार सरकार को क्यों आप पसा नहीं देते हैं और समय पर नहीं देते हैं?

MR. SPEAKER: It does not arise out of this. Kindly give notice of a separate question.

Next Question.

दिल्ली में जघन्य अपराधों में वृद्धि

+

\* 416. श्री राजकेशर सिंह :

श्री ओम प्रकाश त्यागी :

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 21 फरवरी, 1978 के 'इंडियनएक्सप्रेस' में 'हीनस क्राइम्स ग्रान दि इनक्रीज इन दिल्ली' (दिल्ली में जघन्य अपराधों में वृद्धि) शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है ;

(ख) यदि हां, तो जनवरी, 1978 में गत वर्ष की इसी अवधि की तुलना में